सेंट एंड्रयूज़ स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: 2025-26

कक्षा:-7	विषय: कहानी संचय:	पाठ:10 फूल नगर के बौने

पाठ 10 फूल नगर के बौने

प्रश्न 1. बौने के नगर में कैसी-कैसी सुंदर चीज़ें थीं?

उत्तर 1 बौनों के नगर में बहुत ढ़ेर सारी सुंदर चीजें थीं। हर घर के चारों ओर फूल खिले हुए थे।उस नगर के सड़कों के नाम भी फूलों के नाम पर ही रखे थे।

प्रश्न 2. शीशू कौन था और उसने क्या बनाया?

उत्तर -2 शीशू बहुत प्रसिद्ध खगोलज्ञ था। जो टूटी हुई बोतलों की किरचों से चीजों को बड़ा दिखाने वाला शीशा बना सकता था । ऐसे ही कई शीशों से शीशु ने दूरबीन बनाई जिससे चाँद और सितारों को देखा जा सकता था।

प्रश्न 3. शीशु ने सूरज के बारे में लोगों को क्या बताया?

उत्तर-3 शीशु ने सूरज के बारे में बताया कि सूरज हमारी धरती से बहुत दूर है असल में वह एक बहुत बड़ा आग का गोला है अगर सूरज का एक छोटा - सा टुकड़ा भी गिर पड़े तो हमारे पूरे नगर को बरबाद कर सकता है।

प्रश्न 4. नजानू को यह कैसा लगा कि सूरज का टुकड़ा धरती की ओर आ रहा है?

उत्तर-4 एक बार नजानू खेत में घूम रहा था तभी एक भौंरा नजानू की गर्दन से जा टकराया जिससे नजानू नीचे गिर गया। आसपास देखने पर उसे कोई नजर नहीं आया जब उसने ऊपर की ओर देखा तो उसे चमकता हुआ सूरज दिखाई दिया यह देखकर उसे लगा कि सूरज का कोई टुकड़ा टूटकर धरती की ओर आ रहा है।

प्रश्न 5. सूरज टूटने की खबर सुनकर दोनों ने क्या किया?

उत्तर -5 सूरज टूटने की खबर सुनकर बौनौं ने अपने-अपनी चीज जल्दी-जल्दी बटोरनी शुरू कर दी टूथब्रश ने अपने रंग और ब्रश इकट्ठा किया और बाजाबाज़ ने अपने बाजे, वायलिन हारमोनियम तथा बिगुल वगैरह डॉक्टर टिकियावाला घर में इधर-उधर दवाइयों का बैग ढूँढने लगा तो गुलगुले ने अपनी बरसाती जूते और छतरी उठा ली ।